वेलनेस उद्योग में एक उभरता हुआ क्षेत्र ज्योतिष

ज्योतिष आज केवल भाग्य बताने की विद्या नहीं, बल्कि आत्म-बोध, मनोवैज्ञानिक समृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है. यह प्राचीन ज्ञान जब आधुनिक मनोविज्ञान और डिजिटल नवाचार से जुड़ता है, तब यह मानव चेतना के विकास के साथ-साथ आर्थिक प्रवृत्तियों का भी रूपांतरण करता है. वेलनेस उद्योग में इसकी बढ़ती भूमिका इस तथ्य का प्रमाण है कि आस्था, अर्थ और अर्थशास्त्र अब परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक तत्व हैं. ज्योतिष इस नए युग के लिए वही करता है जो ऋषियों ने वेदों में कहा था— तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाना.

ज्योतिषाचार्य तेजस्कर पाण्डेय

आधुनिक विश्व में जब व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन, मानसिक शांति और आत्म-बोध की तलाश कर रहा है, तब ज्योतिष एक प्राचीन आस्था-आधारित प्रणाली से आगे बढ़कर मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-जागरूकता और जीवन-परामर्श का सशक्त उपकरण बनकर उभर रही है. वेलनेस उद्योग, जो आज के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाला क्षेत्र है, अब केवल योग, ध्यान, फिटनेस या आहार तक सीमित नहीं रहा; बल्कि उसने आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के अनेक पहलुओं को अपने दायरे में सम्मिलित कर लिया है. इसी परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष को अब एक वैकल्पिक उपचार, आत्म-समझ और निर्णय-निर्देशन की विधा के रूप में देखा जा रहा है, जो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर मार्गदर्शन देती है, बल्कि अर्थव्यवस्था में एक सशक्त सेवा-क्षेत्र के रूप में भी विकसित हो रही है.

आधुनिक युग में व्यक्ति की चेतना में यह परिवर्तन स्पष्ट है कि केवल भौतिक सुख-सुविधाएँ पर्याप्त नहीं; मानसिक संतुलन, आत्म-ज्ञान और आध्यात्मिक शांति भी उतनी ही आवश्यक हैं. ज्योतिष, जो आकाशीय घटनाओं और मानव जीवन के मध्य सामंजस्य स्थापित करता है, इसी खोज की दिशा में एक सार्थक साधन बन गया है. जन्मकुंडली, ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति, दशा-भुक्ति और गोचर—ये सभी तत्व व्यक्ति को अपने जीवन के अनुभवों, प्रवृत्तियों और संभावनाओं को समझने में सहायता करते हैं. इस दृष्टि से ज्योतिष आज केवल भविष्यवाणी का शास्त्र नहीं, बल्कि आत्म-विश्लेषण और आत्म-परामर्श की विधा के रूप में स्वीकृत हो रहा है.

मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्ल युंग जैसे महान विचारकों ने भी ज्योतिष को प्राचीन काल का मनोवैज्ञानिक ज्ञान कहा. उन्होंने (अर्थपूर्ण संयोग) की संकल्पना के माध्यम से यह प्रतिपादित किया कि ब्रह्मांडीय घटनाएँ और मानव जीवन के अनुभव एक सूक्ष्म ताने-बाने से जुड़े हैं. इस दृष्टिकोण ने ज्योतिष को मनोविज्ञान के साथ एक सेतु के रूप में प्रस्तुत किया—जहाँ ग्रहों की स्थिति प्रतीकात्मक रूप से व्यक्ति के आंतरिक भावों, अवचेतन आकांक्षाओं और व्यवहारिक प्रवृत्तियों को प्रकट करती है. आधुनिक मनोचिकित्सक जब क्लाइंट की भावनाओं और अनुभवों को समझने के लिए प्रतीकात्मक भाषा का प्रयोग करते हैं, तब ज्योतिषीय संकेत इस संवाद को और गहराई प्रदान करते हैं. इसीलिए आज अनेक काउंसलिंग विशेषज्ञ, लाइफ कोच और थैरेपिस्ट अपने अभ्यास में ज्योतिषीय परामर्श को एक पूरक साधन के रूप में सम्मिलित कर रहे हैं.

ज्योतिष का यह पुनरुत्थान केवल आस्था का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक आवश्यकता का प्रतीक है. जब व्यक्ति अनिश्चितताओं, असंतुलन और मानसिक तनाव से जूझता है, तब वह ऐसे माध्यम की तलाश करता है जो उसे दिशा, विश्वास और नियंत्रण का अनुभव कराए. ज्योतिष अपने प्रतीकात्मक ढाँचे और काल-चक्र की व्याख्या के माध्यम से यह भावना उत्पन्न करता है कि जीवन एक अर्थपूर्ण क्रम का हिस्सा है. यह भावना व्यक्ति को असहायता से मुक्त करती है और उसके निर्णयों में आत्मविश्वास उत्पन्न करती है.

आर्थिक दृष्टि से देखें तो ज्योतिष अब वैश्विक वेलनेस इंडस्ट्री का एक उभरता हुआ उपक्षेत्र बन चुका है. विश्व स्तर पर वेलनेस उद्योग की कुल मूल्यांकन-राशि 2023 तक 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक आँकी गई, और इसमें spiritual & mental wellness की हिस्सेदारी निरंतर बढ़ रही है. डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, मोबाइल एप्लिकेशन्स, ऑनलाइन परामर्श और वैयक्तिकृत रिपोर्ट्स के माध्यम से ज्योतिष अब एक संगठित सेवा के रूप में विकसित हो रहा है. विशेषकर मिलेनियल्स और जेनरेशन-ज़ी उपभोक्ताओं में व्यक्तिगत पहचान, आत्म-खोज और भावनात्मक उपचार के साधन के रूप में ज्योतिष की मांग तीव्र गति से बढ़ रही है. सोशल मीडिया के माध्यम से ज्योतिष अब 'कंटेंट-ड्रिवन इंडस्ट्री' का हिस्सा बन चुका है, जहाँ राशिफल, जन्मकुंडली, ग्रह-गोचर और मनोवैज्ञानिक संकेतों पर आधारित लेख, वीडियो और पॉडकास्ट लाखों लोगों तक पहुँचते हैं.

इस आर्थिक प्रसार के साथ ज्योतिष का एक नया व्यावसायिक ढाँचा उभरा है—ऑनलाइन कंसल्टेंसी, सब्सक्रिप्शन आधारित सेवाएँ, वैदिक ज्योतिष ऐप्स, कस्टमाइज्ड रिपोर्ट्स, और शिक्षा कार्यक्रमों का विस्तृत नेटवर्क. भारत, जो वेदों और उपनिषदों की भूमि है, वहाँ इस परंपरा का पुनर्जागरण 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वेलनेस अर्थव्यवस्था' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. यह न केवल आध्यात्मिक धरोहर का संवर्धन है, बल्कि रोजगार, उद्यमिता और नवाचार का अवसर भी प्रदान करता है.

आस्था आधारित अर्थव्यवस्था की अवधारणा अब विश्व स्तर पर स्वीकृत हो रही है. जब उपभोक्ता केवल उत्पाद नहीं, बल्कि अनुभव, अर्थ और पहचान की खोज करता है, तब आस्था आधारित सेवाएँ उसके लिए आकर्षण का केंद्र बनती हैं. ज्योतिष इस प्रवृत्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ उपभोक्ता अपनी जीवन-यात्रा को समझने और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए निवेश करता है. यह निवेश केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और बौद्धिक भी होता है.

वेलनेस उद्योग में ज्योतिष का यह विस्तार सामाजिक विज्ञानों के लिए भी एक अध्ययन का नया क्षेत्र प्रस्तुत करता है. यहाँ उपभोक्ता व्यवहार प्रतीकवाद, और सांस्कृतिक अनुकूलन के सिद्धांत एक साथ कार्य करते हैं. व्यक्ति अपनी ज्योतिषीय पहचान को आत्म-परिभाषा का हिस्सा मानने लगता है—वह अपने राशि चिन्ह, ग्रह-प्रभाव या नक्षत्र के अनुरूप जीवनशैली, निर्णय और संबंधों का चयन करता है. यह प्रवृत्ति बाजार को भी प्रभावित करती है—कई ब्रांड अब Astro-Based Products (जैसे—रत्न आभूषण, राशि आधारित परफ्यूम, ज्योतिषीय वस्त्र) का निर्माण कर रहे हैं. इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य की समग्र दृष्टि में भी ज्योतिष की भूमिका स्वीकार की जा रही है.

साप्ताहिक राशिफल

दिनांक- 12 से 18 अक्टूबर 2025 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं.
098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य कन्या राशि में ता. 17 को 4/21 रातअंत से तुला राशि में, मंगल तुला राशि में, बुध तुला राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र कन्या राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा वृषभ मिथुन कर्क और सिंह राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:- इस सप्ताह धातु, अनाज, दालें, तेल और चावल में तेजी रहेगी कपास, रूई, वस्त्र और गेहूँ मज़बूत रहेंगे, जबकि ता. 16 अक्टूबर से रूई में मंदी की संभावना है और बाकी धातु में तेजी बनी रहेगी. बिहार और मध्य प्रदेश में बादल व बरसात की संभावना कश्मीर और हिमाचल में ठंड बढ़ेगी, ऊँचाई वाले इलाकों में हिमपात.

पर्व-व्रत-त्योहार :

मंगलवार	14 अक्टूबर को	राधाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान
शुक्रवार	17 अक्टूबर को	रमा/रम्भा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी सायं व्यापिनी
शनिवार	18 अक्टूबर को	शनि प्रदोष, धनतेरस, यम दीपदान, धनवंतरी प्रकटोत्सव

मेष

आप जीवन के नये आयाम छुयेंगे, अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे. खुले मन मस्तिष्क से समस्या का हल निकालेंगे. आप किसी नये अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, जिससे मान सम्मान में प्रगति होगी, आप जिस पर अधिक भरोसा करते हैं, वही आपकी जड़ खोदने का प्रयास करेगा.

वृषभ

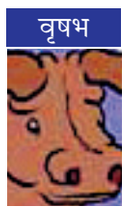

स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने की आशा है, उधार लेनदेन से बचने का प्रयास करें, जल्दबाजी में लिये गये निर्णय बदलने पड़ सकते हैं, आयात निर्यात का प्रस्ताव मिलेगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी, साझेदारी में संदेह आ जाने के कारण चल रहा कार्य बीच में ही छोड़ना पड़ सकता है. सावधानी बांछनीय है, बिना मांगे सलाह देना नुकसानदायक हो सकता है.

मिथुन

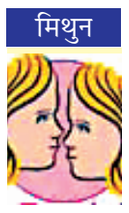

आपको नई नौकरी या नया कारोबार मिल सकता है, व्यापार के सिलसिले में यात्रा का योग बन रहा है, आपको करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा, बिखरे कार्य समेटने का प्रयास सफल होगा. संपत्ति के कार्यों में खर्च होगा. जानबूझकर की गई गलती की क्षमा मांगने में ही हित रहेगा. सप्ताहान्त में पारिवारिक सुखद योजना पर विचार होगा. वाहन चलाने में चोट लग सकती है.

कर्क

आपको उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, कड़ी मेहनत करने पर ही सफलता मिलेगी, आप मानसिक अवसाद में रहेंगे, किसी विवाद के चलते आप के मन में नकारात्मक विचार आते रहेंगे, परिवार में अविश्वासी लोगों की सलाह से बचें, पूज्य व्यक्ति की सलाह एवं अधिनस्थों का सहयोग आपको लाभकारी रहेगा.

सिंह

प्रतिस्पर्धा के दौर में किस्मत एवं मेहनत आपको भरपूर लाभ देगी, आपकी मनोकामना पूरी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. दाम्पत्य जीवन में तनाव की संभावना है. भाईयों के बीच जायजाद का बटवारा हो सकता है, वाद विवाद से दूर रहें. अटके कार्य पूरे होंगे. व्यापारिक यात्रा के अच्छे परिणाम मिलेंगे. भावनात्मक संबंधों की मजबूती आपको आंतरिक खुशी देगी.

कन्या

आप खुशी के समाचार सुनेंगे, परिवार की सुख सुविधाओं का ध्यान रखें, आयात निर्यात के बड़े व्यवसाय में लाभ होगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेंगे. प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा. सप्ताह के अन्त में आपके निकटस्थ विरोधी नई मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं, शीघ्र समाधान होगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी हो सकती है. कारोबारी यात्रा हो सकती है.

तुला

आपकी महत्वाकांक्षा चरमसीमा पर रहेगी, अनहोनी का भय रहेगा. आप भविष्य की योजना बनायेंगे. अचानक लाभ का योग है. यात्रायें आशाजनक रहेंगी, किन्तु उठाईगीरों से सावधानी रखें. रोगी के कार्यो में खर्च होगा. कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी. पारिवारिक जीवन में वक्त देकर खुशी मिलेगी, दूसरों की सलाह पर ध्यान दें.

वृश्चिक

आप अत्याधिक खर्च से चिंतित रह सकते हैं, इसके बाद भी आप अपने प्रत्येक क्षेत्र में क्रियाशील बने रहेंगे. आपको अधिनस्थ की उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा. दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी. नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा. भूमि, भवन, प्रापर्टी में खर्च होगा. नये कार्यो पर विचार होगा. इसके लिये किसी का सहयोग या बैंक से लोन लेना पड़ सकता है.

धनु

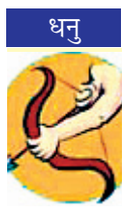

आपकी जान पहचान और परिचय का दायरा बढ़ेगा. अच्छा हो आप सामाजिक कार्यो की उपयोगिता को ध्यान में रखकर कार्य करें, पैतृक संपत्ति को बेचकर अपना हिस्सा ले सकते हैं. आप अपने निकट परिजनों के साथ दूर दराज की यात्रा का विचार करेंगे, जोखिम के कार्यो में रूचि रहेगीं आप वित्तीय मामलों में किसी का सहयोग लेंगे, जो उल्लेखनीय रहेगा.

मकर

हंसी खुशी का वातावरण रहेगा. आपकी नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है. पेशेवर लोगों को वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा, कारोबारी यात्राओं की अधिकता रहेगी. जल्द ही किसी बड़ी योजना को हाथ में ले सकते हैं. अपने व्यवहार और लगन का प्रयोग कर कार्यक्षेत्र में विस्तार कर सकते है. बीती बातों को याद करने से निजी संबंधों में कटुता आयेगी.

कुम्भ

इस सप्ताह पुराना अटका धन मिलने के आसार हैं, अपने कार्यो के प्रति आप आशावादी बने रहेंगे. कई उतार चढ़ाव आयेंगे. व्यवसायिक फैसला लेने से पहले आप हर पहलू पर विचार करेंगे. घर परिवार में सुख शांति मिलेगी. पारिवारिक कार्यक्रमों में धन खर्च अधिक होगा. संबंधों के विस्तार पर ध्यान जा सकता है, और लोग प्रसन्न होकर आपसे मिलेंगे.

मीन

आप मुश्किलों का डटकर मुकाबला करेंगे, नौकरी पेशा लोग अपने पद और आमदनी से संतुष्ट रहेंगे, यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं, तो और धन की प्राप्ति होगी. जीवनसाथी के साथ आप धार्मिक यात्रा में जा सकते है. जमकर जायजाद से जुड़े मुकदमें में फैसला आपके पक्ष में होगा. अति आत्म विश्वास से कोई फैसला न लें, कार्यस्थल पर समस्या सुलझ सकती है.

असली सफलता सोशल मीडिया के लाइक्स नहीं, बल्कि रचनात्मकता और जीवन के संतुलन में है

सानंद वर्मा ने बताया अपनी कामयाबी का मंत्र

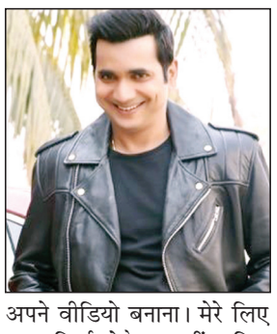

मुंबई, अक्टूबर । आज के तेज़ रफ्तार जमाने में, जहाँ ज्यादातर लोग अपने फोन में खोए रहते हैं और लाइक्स, फॉलाअर्स और तात्कालिक मान्यता के पीछे भागते हैं, वहीं सानंद वर्मा अपने अलग अंदाज़ के लिए पहचाने जाते हैं। एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने अनोखे किरदार डॉ. अनोखेलाल सक्सेना के लिए लोगों द्वारा बेहद पसंद किए जाने वाले सानंद वर्मा ने अपना रास्ता खुद चुना है। यह सादगी, रचनात्मकता और मानसिक शांति पर आधारित है। उनकी यात्रा याद दिलाती है कि असली सफलता डिजिटल शोर में नहीं, बल्कि सार्थक काम और व्यक्तिगत विकास में है।

सानंद वर्मा ऊर्फ अनोखेलाल सक्सेना कहते हैं, च्मेरा तरीका बहुत अलग है। मैं सोशल मीडिया पर स्क्रॉलिंग में समय नहीं बिताता। सच कहूँ तो, मुझे दूसरों के वीडियो देखने में दिलचस्पी नहीं है। मैं वही करता हूँ जो मुझे पसंद है -गाना, अभिनय और अपने वीडियो बनाना। मेरे लिए कला सिर्फ प्रोफेशन नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है, खुद से और दूसरों से गहराई से जुड़ने का तरीका है। मैंने हमेशा सजग और रचनात्मक रहने का चुनाव किया। जितना हो सके सकारात्मक काम करें। स्वास्थ्य, योग, ध्यान, व्यायाम, खेलों पर ध्यान दें। किताबें पढ़ें, अपनी कला का अभ्यास करें, अपने शौक को फॉलो करें। सोशल मीडिया और न्यूज पर समय सीमित रखें-एक दिन में 15 से 20 मिनट काफी है। इसके बाद अपना ध्यान अपने काम और विकास पर लगाएँ।

उन्होंने आगे कहा, च्अगर हम घंटों रील्स या नकारात्मक अपडेट्स में बर्बाद करेंगे, तो जीवन केवल खराब होगा। इसके बजाय, हमें अपने भीतर की शांति और विकास पर ध्यान देना चाहिए। मैं हमेशा मानता हूँ कि असली सफलता फॉलोअर्स से नहीं, बल्कि अपने हुनर के प्रभाव और जीवन में संतुलन से मापी जाती है। सानंद वर्मा को 'भाबीजी घर पर हैं' में देखिये, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 10.30 बजे, सिर्फ एण्डटीवी पर!

मां लक्ष्मी की आराधना के साथ इन उपायों से दूर होंगे वास्तु दोष

घर में बढ़ेगी समृद्धि

दिवाली रोशनी व खुशियों का त्योहार है. इस त्योहार का हर व्यक्ति को बेसब्री से इंतजार रहता है. हर साल दिवाली का त्योहार कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. इस साल दिवाली 20 अक्टूबर को है. इस दिन मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है. कहा जाता है कि दिवाली के दिन कुछ वास्तु उपायों को करने से घर का वास्तु दोष दूर होता है और मां लक्ष्मी का घर पर आगमन होता है, साथ ही उनकी कृपा से धन-धान्य में वृद्धि होती है.

दिवाली के दिन करें ये आसान वास्तु उपाय-

- दिवाली के दिन सुबह सफाई के बाद पूरे घर में कच्चा दूध, केसर, हल्दी तथा गंगाजल आम के पत्तों से छिड़कना चाहिए. ध्यान रखें ये सारी चीजें शौचालयों में नहीं छिड़कनी हैं. मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं.
- दिवाली के दिन गेंदे, आम तथा अशोक के पत्तों की बंदनवार लगाएं, जिसमें पत्ते विषम संख्या में हों. घर या ऑफिस के अग्नि कोण में 6 दीपक घी के जलाने चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है.
- . दिवाली के दिन पितरों के लिए कुछ अनाज, दूध एवं मिठाई दान करना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी का घर में स्थाई वास होता है.
- दिवाली के दिन शाम को शिव मंदिर में शिवलिंग पर एक घी का दीपक जलाना पितृ दोष में लाभकारी माना गया है. मान्यता है कि ऐसा करने से पितरों की कृपा होती है और मां लक्ष्मी का घर में आगमन होता है.
- दिवाली के दिन घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए घर की फर्श पर नमक का पोंछा लगाना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

दीवाली पर आम के पत्तों के तोरण से सजाएं घर

दीवाली का पर्व भारत में अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है. यह केवल दीपों और मिठाइयों का त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं, धार्मिक विश्वासों और सांस्कृतिक मूल्यों से गहराई से जुड़ा उत्सव है. इस शुभ अवसर पर घरों दुकानों को सजाने की परंपरा विशेष महत्व रखती है. दीयों, रंगोली और फूलों के साथ-साथ आम के पत्तों से बने तोरण भी सजावट का अहम हिस्सा होते हैं, जो न केवल सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं.

मुख्य द्वार पर लगाना शुभ माना जाता है- वास्तु शास्त्र के अनुसार आम के पत्तों से बना तोरण घर के मुख्य द्वार पर लगाया जाना चाहिए. ऐसा माना जाता है कि घर में प्रवेश करने वाली ऊर्जा मुख्य द्वार से ही आती है. आम के पत्तों का तोरण इस ऊर्जा को शुद्ध करता है और नकारात्मक प्रभावों को दूर करता है. इससे घर के वातावरण में सकारात्मकता बनी रहती है और परिवार के सदस्यों में सुख-शांति और मानसिक संतुलन बढ़ता है.

बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आम के पत्ते बुरी नजर और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करते हैं. घर के प्रवेश द्वार पर लटकाया गया तोरण परिवार को बुरे प्रभावों से बचाता है और सुख, समृद्धि तथा सौभाग्य लाता है. आम की हरियाली जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक मानी जाती है.

व्यापार में वृद्धि और कार्यस्थल पर उत्साह- व्यावसायिक दृष्टि से भी आम के पत्तों के तोरण को शुभ माना जाता है. दुकानों और कार्यालयों में इसे लगाने से वातावरण में सकारात्मकता और आकर्षण बढ़ता है. यह न केवल व्यापार में वृद्धि का संकेत देता है, बल्कि कर्मचारियों में उत्साह और कार्यक्षमता को भी प्रोत्साहित करता है.

दीपावली पर घर में लगाएं ये पांच पौधे

मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद और बढ़ेगी कृपा

दीपावली पर्व केवल दीपों और सजावट का नहीं, बल्कि आस्था और समृद्धि का प्रतीक भी है. इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के साथ घर में शुभता और धन-धान्य की कामना की जाती है. वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दीपोत्सव से पहले घर में कुछ विशेष पौधे लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है.

कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपावली पर्व केवल दीपों और सजावट का नहीं, बल्कि आस्था और समृद्धि का प्रतीक भी है. इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के साथ घर में शुभता और धन-धान्य की कामना की जाती है. वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दीपोत्सव से पहले घर में कुछ विशेष पौधे लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है.

सफेद पलाश से आती है संपन्नता और सकारात्मकता

सफेद पलाश का पौधा धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना गया है. इसे माता लक्ष्मी का पौधा कहा जाता है. इसे घर या पूजा स्थल पर लगाने से संपत्ति, समृद्धि और वैभव में वृद्धि होती है. यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने और वास्तु दोषों को दूर करने में भी सहायक होता है. साथ ही, परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

क्रसुला प्लांट लाता है आर्थिक समृद्धि

क्रसुला, जिसे जेट प्लांट के नाम से भी जाना जाता है, धन-संपत्ति बढ़ाने वाला पौधा माना जाता है. वास्तु के अनुसार इसे घर या कार्यस्थल पर लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और व्यापार में उन्नति होती है. इसे मुख्य द्वार के पास या घर के उत्तर दिशा में रखना विशेष रूप से लाभकारी बताया गया है.

मनी प्लांट से बढ़ती है खुशहाली

मनी प्लांट को समृद्धि का प्रतीक माना गया है. यह पौधा जहां होता है, वहां मां लक्ष्मी की विशेष कृपा मानी जाती है. घर या ऑफिस में मनी प्लांट लगाने से धन का आगमन होता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है. इसे पूर्व दिशा में रखना शुभ माना गया है.

स्नेक प्लांट दूर करता है नकारात्मक ऊर्जा

स्नेक प्लांट को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला पौधा कहा गया है. इसे घर के मुख्य द्वार पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और धन वृद्धि के योग बनते हैं. यह पौधा नौकरी और व्यवसाय दोनों में उन्नति लाने में सहायक माना जाता है.

तुलसी का पौधा हर घर के लिए शुभ

तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप और भगवान विष्णु की प्रिय माना गया है. धार्मिक दृष्टि से यह पौधा सबसे पवित्र माना जाता है. घर में तुलसी लगाने से न केवल वातावरण शुद्ध रहता है, बल्कि परिवार में सुख, शांति और स्वास्थ्य का भी वास होता है.